

पाठ- 5- पुष्प की अभिलाषा लिखित एवं भाषा ज्ञान प्रश्नोत्तर



CLASS: V
SESSION NO : 10
SUBJECT : HINDI
CHAPTER NUMBER: 5
TOPIC: पुष्प की अभिलाषा
SUB TOPIC: लिखित एवं भाषा ज्ञान प्रश्नोत्तर

CHANGING YOUR TOMORROW

शिक्षण उद्देश्य

भाषा ज्ञान प्रश्नोत्तर द्वारा व्याकरणिक कुशलता तथा भाषा प्रयोग की कुशलता का विकास होना ।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए

क) 'चाह नहीं, मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ' पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए ।

उ)इस कविता के माध्यम से कवि ने यह बताने की कोशिश कि है कि पुष्प जिसका प्राकृतिक इस्तमाल सुंदर स्त्रियों पर सुशोभित होना, प्रेमिकाओं के गले की माला बनना , देवी देवताओं के सिर पर चढ़ना एवं मृत शरीर पर डाला जाना है ; वह वास्तव में यह नहीं चाहता । वह देशप्रेमी वीरों को ही महान मानता है, न कि देवकन्या या और किसी को ।

ख) मातृभूमि पर शीश चढ़ाने का औचित्य स्पष्ट कीजिए ।

उ) कवि यहाँ कहते हैं कि - मातृभूमि हमारे लिए सर्वप्रथम है। वह भूमि जहाँ हम जन्म हुए, पले बढ़े; उसकी सेवा करना हमारा पहला कर्तव्य है। जो अपनी मातृभूमि की सेवा में अपने प्राण त्याग कर देते हैं, वे सबसे अधिक महान हैं। उनके चरण छू लेने मात्र से ही हम सौभाग्यशाली बन जाते हैं।

भाषाज्ञान

1. पगड़ी, गाड़ी, पेट, थैला ये शब्द किसी भी भाषा से नहीं आए, बल्कि हिंदी में ही बना लिए गए हैं, ये 'देशज शब्द' कहलाते हैं।
 - स्कूल, गरीब, दुकान, चाकू, कमीज़ ये विदेशी भाषाओं के शब्द हिंदी में प्रयोग किए जाने लगे हैं। ऐसे शब्दों को 'विदेशी शब्द' कहा जाता है।
2. कार्य, दंत, सत्य, सूर्य, आम्र ये संस्कृत के शब्द हैं, इन्हें हिंदी भाषा में उसी रूप में लिया है। इन्हें 'तत्सम शब्द' कहते हैं।

काम (कार्य), दाँत (दंत), सच (सत्य), सूरज (सूर्य), आम (आम्र) ये संस्कृत के रूप में बदलाव के साथ हिंदी भाषा में प्रयोग में आए हैं। इन्हें 'तद्भव शब्द' कहते हैं।

भाषाज्ञान

1. तत्सम

ग्राम

दुग्ध

चंद्र

शत

कर्ण

गृह

गौ

सप्त

तद्भव

गाँव

दूध

चाँद

सौ

कान

घर

गाय

सात

क्रियाकलाप

देश भक्ति पर आधारित एक हिन्दी कविता
कक्षा में सुनाइए ।

शिक्षण प्रतिफल

भाषा ज्ञान प्रश्नोत्तर द्वारा भाषाई दक्षता में विकास होना ।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP

